



HargharPanditji

॥ श्री यमुना कवच ॥
॥ ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं कालिन्द्यै देव्यै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री यमुना कवच ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ श्रीकृष्णप्रियायै यमुनायै नमः ॥

ध्यानम्

श्यामवर्णां च सुशोभां सूर्यपुत्रीं मनोहराम्।
श्रीकृष्णचरणासक्तां कालिन्दीं प्रणमाम्यहम्॥
अथ श्री यमुना कवचम्
यमुना मे शिरः पातु, कालिन्दी ललाटकम्।
सूर्यतनया नेत्रे च, यमस्वसा श्रुती मम॥
नासिकां पातु पुण्या सा, मुखं कृष्णप्रियाऽवतु।
जिह्वां मे भक्तिदा पातु, कण्ठं करुणया सदा॥
स्कन्धौ मे पातु कल्याणी, भुजौ मे भक्तवत्सला।
हृदयं रासविहारिणी, वक्षः श्रीवल्लभप्रिया॥
नाभिं पातु महापुण्या, कटिं लोकहितैषिणी।
ऊरू मे पातु वै देवि, जानुनी पापनाशिनी॥
जङ्घे मे जगदम्बा च, गुल्फौ गोपीमनोहरा।
पादौ पातु सदा देवि, वृन्दावनविहारिणी॥
पूर्वे मां कालिन्दी पातु, पश्चिमे कृष्णवल्लभा।
उत्तरे सूर्यतनया, दक्षिणे यमभगिनी॥
ऊर्ध्वे मे देवि रक्षत्वं, अधस्तात् पापनाशिनी।
सर्वतः सर्वदा पातु, श्रीयमुना भक्तवत्सला॥

फलश्रुति

यः पठेत् श्रद्धया नित्यं यमुना कवचं शुभम्।
तस्य पापं क्षयं याति, दुःखदारिद्र्यनाशनम्॥
श्रीकृष्णभक्तिरतुला जायते हृदि सर्वदा।
यमुनाकृपया नित्यं सौख्यं शान्तिश्च वर्धते॥

जलदोषभयं नास्ति, ग्रहपीडा विनश्यति।

समर्पण

हे श्री यमुना महारानी!

आप श्रीकृष्ण की परम प्रिय, सूर्यदेव की दिव्य पुत्री तथा धर्मराज यम की बहन हैं। कृपया मेरे शरीर, मन, बुद्धि, परिवार और जीवन की रक्षा करें। मेरे समस्त पाप, भय, रोग, क्लेश और संकटों का नाश करें। मुझे श्रीराधा-कृष्ण की निष्काम भक्ति, सद्बुद्धि, शांति, स्वास्थ्य और मोक्षमार्ग का आशीर्वाद प्रदान करें।

॥ ॐ यं यमुनायै नमः ॥

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"